

अध्याय - 7 | भारत की सांस्कृतिक जड़ें

QUIZ
PART-06

1. किस जातक कथा में बुद्ध वानरों के राजा के रूप में प्रकट होते हैं?

- A. सिंह-राज की कथा
- B. वानर-राज की कथा
- C. चोर की कथा
- D. दानवीर राजा की कथा (B)

व्याख्या: इस भाग में प्रस्तुत जातक कथा में बुद्ध वानरों के राजा बने हुए हैं, जो अपने समूह की रक्षा करते हैं।

2. वानर-राज ने अपने वानरों को बचाने के लिए क्या किया?

- A. राजा से युद्ध किया
- B. वृक्ष गिरा दिया
- C. स्वयं को पुल बना दिया
- D. नदी रोक दी (C)

व्याख्या: वानर-राज ने नदी के किनारे पेड़ को पकड़कर अपने शरीर को पुल की तरह बनाया ताकि वानर सुरक्षित पार जा सकें।

3. वानर-राज के बलिदान को देखकर मानव राजा में क्या परिवर्तन आया?

- A. वह युद्ध के लिए तैयार हुआ
- B. वह वानरों से नाराज़ हो गया
- C. वह उनकी निःस्वार्थता से प्रभावित हुआ
- D. उसने वानरों को पकड़ने का आदेश दिया (C)

व्याख्या: राजा वानर-राज के निःस्वार्थ बलिदान से प्रभावित होकर अपनी प्रजा के प्रति अपनी भूमिका पर विचार करने लगा।

4. रोहिण्य कौन था?

- A. एक राजा
- B. एक सैनिक
- C. एक बुद्धिमान ऋषि
- D. एक कुशल चोर (D)

व्याख्या: जैन कथा में रोहिण्य को एक अत्यंत कुशल चोर बताया गया है।

5. रोहिण्य में परिवर्तन की प्रेरणा किससे मिली?

- A. सेना से
- B. मंत्री से
- C. महावीर के उपदेशों से
- D. व्यापारी से (C)

व्याख्या: महावीर के शब्दों ने उसके भीतर परिवर्तन का बीज बोया, जिससे वह सुधरने की दिशा में आगे बढ़ा।

6. रोहिण्य ने अपने अपराधों के बाद क्या किया?

- A. नगर छोड़कर भाग गया
- B. चोरी जारी रखी
- C. महावीर के पास जाकर क्षमा माँगी
- D. सैनिक बन गया (C)

व्याख्या: अपराध स्वीकार करने के बाद उसने चुराया धन लौटाया और महावीर से क्षमा माँगकर भिक्षु बन गया।

7. जैन और बौद्ध दोनों मतों में अहिंसा का अर्थ क्या है?

- A. युद्ध न करना
- B. केवल जलचर जीवों की रक्षा
- C. विचारों और भावनाओं में भी हिंसा न रखना
- D. केवल मनुष्यों को न मारना (C)

व्याख्या: दोनों मतों में अहिंसा केवल शारीरिक हिंसा तक सीमित नहीं, बल्कि विचारों और भावनाओं की शुद्धता पर भी बल देती है।

8. चार्वाक दर्शन किस मुख्य विचार पर आधारित है?

- A. आत्मा अमर है
- B. पुनर्जन्म होता है
- C. भौतिक जगत ही एकमात्र सत्य है
- D. ईश्वर सर्वव्यापी है (C)

व्याख्या: चार्वाक (लोकायत) दर्शन का मत है कि केवल भौतिक जगत ही सत्य है, मृत्यु के बाद किसी जीवन की संभावना नहीं।

9. चार्वाक दर्शन को व्यापक लोकप्रियता क्यों नहीं मिली?

- A. यह बहुत जटिल था
- B. यह केवल राजाओं तक सीमित था
- C. इसके विचार समाज में स्वीकार्य नहीं थे
- D. यह लिखित रूप में उपलब्ध नहीं था (C)

व्याख्या: भौतिकवादी विचारों के कारण यह मत समाज में अधिक स्वीकार्य नहीं हुआ और समय के साथ विलुप्त हो गया।

10. इस भाग के 'विचार करें' अनुभाग में किस प्रकार के विचारों को नियंत्रित करने की बात कही गई है?

- A. केवल सकारात्मक विचारों को बढ़ाना
- B. नकारात्मक विचारों को पहचानकर उन्हें सकारात्मक बनाना
- C. केवल धार्मिक विचार रखना
- D. दूसरों के विचार बदलना (B)

व्याख्या: पाठ में कहा गया है कि मन में आने वाले नकारात्मक विचारों को सकारात्मक रूप में परिवर्तित करना सीखना चाहिए।